



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 443]

नई दिल्ली, मंगलवार, सितम्बर 1, 1987/भाद्र 10, 1909

No. 443]

NEW DELHI, TUESDAY, SEPTEMBER 1, 1987/BHADRA 10, 1909

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as
a separate compilation

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

नई दिल्ली, 1 सितम्बर, 1987

आदेश

का.आ. 806 (प्र).—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि
विकास नियंत्रक जुगत से आसजित यात्रीकार का साम्यपूर्ण वितरण
और उचित कीमत पर उपलब्ध मुनिश्चित करना आवश्यक है।

अतः केन्द्रीय सरकार उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम,
1951 (1951 का 65) की धारा 18 छ द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का
प्रयोग करते हुए निम्नलिखित आदेश करती है, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम, विस्तार और प्रारम्भ :

- (1) इस आदेश का नाम विकास नियंत्रक जुगत से आसजित यात्रीकार (पुनः निष्क्रय पर निर्वन्धन) आदेश, 1987 है।
- (2) इसका विस्तार सम्पूर्ण भारत पर है।
- (3) यह 1 सितम्बर, 1987 को प्रवृत्त होगा।

2. परिभाषाएं : इस आदेश में, जब तक कि संदर्भ में अन्यथा अपेक्षित
न हो :—

- (1) "नियंत्रक" से ऐसा व्यक्ति अभिप्रेत है जिसे, यथास्थिति,
राज्य सरकार या केन्द्रीय सरकार ने इस आदेश के प्रयोजन
के लिए ऐसी हैसियत से नियुक्त किया हो।
- (2) "विकास नियंत्रक जुगत" से ऐसे स्वतः संवरण और जुगत
अभिप्रेत है जो निशक्त व्यक्तियों द्वारा प्रयोग किए जाने के
लिए आशयित हो और जिन्हें सीमा शुल्क अधिनियम, 1962
की धारा 25(1) के अधीन किसी सामान्य या विनिश्चित
आदेश द्वारा शुल्क से जिसके अन्तर्गत प्रतिरिक्त शुल्क भी
आता है और सीमाशुल्क डेरिक अधिनियम, 1975 (1975
का 51) की पहली अनुवृत्ति के अधीन उद्धृणीय सीमा शुल्क
से छूट हो।
- (3) विकास नियंत्रक जुगत में आसजित यात्रीकार से अनुवृत्ति के
सम्भ (1) में विनिश्चित किसी भी भांति का ऐसा मोटर
यान अभिप्रेत है जिसका विनिर्माण या समंजन भारत में हुआ
हो या जिसका विनिर्माण भारत में आयातित संघटकों से
हुआ हो या जिसका विनिर्माण भारत में भागतः आयातित

और" भागत: विनिर्मित संघटकों से हुआ हो और उसके अंतर्गत ऐसी प्रत्येक भाति का मोटरवाहन या उसके संघटक भी है।

- (4) "अनुसूची" से इस आदेश से उपबन्ध अनुसूची अभिवेक है।
(5) संघ हासित लेख के संदर्भ में राज्य सरकार का तात्पर्य संघ हासित लेख का प्रभागक है।

3. पुनः विक्रय पर नियंत्रण

- (1) इस आदेश के प्रारंभ से ही कोई भी व्यक्ति उस तारीख से तीन वर्ष के अवधान से पूर्व, जिस तारीख को विकलांग नियंत्रक जुगत से प्राप्तित यात्रीकार पहली बार खरीदी गई थी, भले ही उसे उसने खरीदा हो या उसकी ओर से किसी अन्य व्यक्ति ने खरीदा हो और भले ही उसे इस आदेश से पूर्व या उसके प्रारंभ के पश्चात् खरीदा गया हो, सिवाय ऐसे नियंत्रक से लिखित रूप में लिए गए अनुज्ञापत्र के निम्नलिखित शर्तों के अधीन और उनके अनुसार, जो ऐसी स्थिति में जब अनुज्ञापत्र न दिया जाए संबंध व्यक्ति को ऐसे इनकार के कारणों से संसूचित करेगा, न तो उसे किसी व्यक्ति को बेचेगा और न ही बेचने की प्रस्तावना करेगा और न ही कोई ऐसा संभवहार करेगा जिसमें विकलांग नियंत्रक जुगत से प्राप्तित यात्रीकार का अंतरण अंतर्भूत हो।

- (2) नियंत्रक उपबन्ध (1) के अधीन अनुज्ञापत्र देने या इनकार करने समय यथास्थिति प्रस्तावित विक्रय या संभवहार से संबंधित परिस्थितियों और इस आदेश के प्रयोजन को ध्यान में रखेगा।

- (3) नियंत्रक के उपबन्ध (1) के अधीन अनुज्ञापत्र देने से इनकार करने से व्यक्ति कोई भी व्यक्ति उस तारीख से तीन दिन के भीतर जिस तारीख को ऐसे इनकार की कोई संसूचना की गई है राज्य सरकार को अपील कर सकेगा।

परन्तु राज्य सरकार तीन दिन की उक्त अवधि के अवसान के पश्चात् भी अपील ग्रहण कर सकेगी यदि उसका यह समाधान हो जाता है कि अपीलकर्ता के पास उपर्युक्त अवधि के भीतर अपील न करने का पर्याप्त हेतुक था।

- (4) जानकारी अभिप्राप्त करने की शक्ति : यदि नियंत्रक के पास यह विश्वास करने का कारण है कि विकलांग नियंत्रक जुगत से प्राप्तित यात्रीकार खंड 3 के उपबन्ध (1) में निर्दिष्ट तीन वर्ष की अवधि के अवसान से पूर्व बेच दी गई है या उसका कब्जा अंतरित कर दिया गया है तो वह उस व्यक्ति से जिसने उसे इस प्रकार बेचा है या अंतरित किया है यह अपेक्षा कर सकेगा कि वह ऐसी विनिर्दिष्टियां दे जो ऐसे विक्रय या संभवहार से संबंधित हो जिसमें ऐसा अंतरण या कब्जा अंतर्भूत हो जिसके अंतर्गत उस व्यक्ति का नाम भी आता है जिसे यान इस प्रकार बेचा गया है या उसका कब्जा अंतरित किया गया है, जो नियंत्रक उचित समझे।

अनुसूची

[खंड 2(1) देखिए]

यान का विवरण	विनिर्माता का नाम
1. "माहति 800 एच सी"	माहति उद्योग लिमिटेड, जीवन प्रकाम (11वां तल), 25, कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली-110001।

[फा. सं. 1(5)/85-ग. ई. आई-(1)]

ए. बी. गणेशन, अपर सचिव

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

New Delhi, the 1st September, 1987

ORDER

S.Q. 806(E).—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary so to do for securing the equitable distribution and availability at fair price of passenger cars fitted with handicapped control gadgets;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 18-G of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby makes the following order, namely :—

- (1) Short title, extent and commencement.—(1) This order may be called the Passenger Cars fitted with Handicapped Control Gadgets (Restriction on Re-sale) Order, 1987.

- (2) It extends to the whole of India.

- (3) It shall come into force on the 1st day of September, 1987.

- (2) Definitions.—In this order, unless the context other wise requires,—

- (i) "Controller" means a person appointed as such by the State Government or Central Government as the case may be for the purpose of this order;

- (ii) "Handicapped Control gadgets" means automatic transmission and gadgets intended for use by disabled persons and exempted from the duty, including additional duty of customs leviable under the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975) by a general or specific order under Sub-Section (1) of Section 25 of the customs Act, 1962 (52 of 1962);

- (iii) "Passenger Cars fitted with Handicapped Control Gadgets" means a motor vehicle of any description specified in column (1) of the Schedule, manufactured or assembled in India, or manufactured in India from components imported into India or partly imported and partly manufactured in India and includes every such description of motor vehicle or components thereof;

- (iv) "Schedule" means the Schedule annexed to this Order.

- (v) "State Government", in relation to a Union Territory, means the Administrator of the Union Territory.

3. Restriction on Re-Sale.—(1) On and from the commencement of this order, no person shall, before the expiry of a period of three years from the date when a passenger car fitted with handicapped

control gadgets was first purchased as a new passenger car fitted with Handicapped control gadgets, whether purchased by him or by any person on his behalf and whether purchased before or after commencement of this order, sell or offer to sell, or enter into any transaction involving the transfer of possession of the passenger car fitted with Handicapped control gadgets to any other person except under and in accordance with the terms and conditions of a permit, in writing, from the Controller, who shall, where a permit is not granted, communicate to the person concerned the reasons for such refusal.

(2) In granting or refusing a permit under sub-clause (1), the Controller shall have regard to the circumstances relating to the proposed sale or transaction, as the case may be, and to the purpose of this order.

(3) Any person aggrieved by the refusal of the Controller to grant a permit under sub-clause (1) may, within thirty days from the date on which such refusal is communicated to him, prefer an appeal to the State Government.

Provided that the State Government may entertain the appeal after the expiry of the said period of thirty days if it is satisfied that the appellant had sufficient cause for not preferring the appeal within the period aforesaid.

(4) Power to obtain Information.—If the Controller has reason to believe that a new passenger car fitted with handicapped control gadgets has been sold or its possession has been transferred before the expiry of the period of three years referred to in sub-clause (1) of clause 3, he may require the person, who has so sold or transferred its possession, to furnish the particulars relating to such sale or transaction involving such transfer of possession as the Controller may deem fit including the name of the person to whom the vehicle was so sold or its possession so transferred.

SCHEDULE

[See Clause 2(i)]

Description of the Vehicle	Name of the Manufacturer
1	2
'Maruti 800 HC'	Maruti Udyog Limited, Jeevan Prakash (11th Floor), 25, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi-110001.

[F.No. 1(5)/85-AE1-(1)]
A.V.GANESAN, Addl. Secy.

